980505 - C2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - IX
कक्षा - IX

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड - क

1. अपठित काव्यांश **5**

अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक प्यार है कम।
हम जब बड़े होगें घृणा का, नाम मिटाकर लेगें दम।
हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश ।
जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश ।
भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है,
ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है ।
एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश,
जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश ।
इसकी बागडोर हाथों में, ज़रा हमारे आने दो ।
हम खाते है शपथ, दुर्दशा कोई नहीं सहेगा देश ।
थोड़ा सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो ।
घोर अभावों की ज्वाला में, कल से नहीं दहेगा देश ।

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प को चुनकर लिखिए -

(क) इस कविता का मूल स्वर है - 1

(i) चुनौती का (ii) संकल्प का
(iii) प्रश्न का (iv) चिंता का

(ख) कवि कौन - कौन सा परिवेश बदलना चाह रहा है ? 1

(i) प्यार (ii) घृणा
(iii) संघर्ष (iv) शांति

(ग) कवि क्या बनना चाहता है ? 1

(i) प्रधानमंत्री (ii) राष्ट्रपति
(iii) लोकनेता (iv) अभिनेता

(घ) घरौंदे जैसा ढहने से क्या आशय है ? **1**

(i) घरों का टूटना (ii) प्रांतों का टूटना
(iii) अलगाववाद की बढ़ावा (iv) सब कुछ नष्ट होना

(ङ) कवि को अवस्था क्या है ? **1**

(i) बचपन (ii) जवानी
(iii) बुढापा (iv) प्रौढता

2. **अपठित काव्यांश** **5**

पावस ऋतु थी पर्वत प्रदेश,
पल पल परिवर्तित प्रकृति वेश।
मेखलाकार पर्वत आपर
अपने सहस्त्र दृग सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण सा फैला है विशाल
गिरि के गौरव गाकर झर - झर
मद में नस - नस उत्तेजित कर
मोती की लडियों से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर ।
गिरिवर के उर से उठ - उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरूवर
है झांक रहे नीख नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंता में पर ।
उड़ गया अचानक लो, भूघर
फड़का अपार पारद के पर ।
ख शेस रह गए है निर्झर ।
है टूट पड़ा भू पर अंबर
घँस गए घरा में समय शाल ।
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल ।
यो जल्द धान में विचर - विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँट कर लिखिए -

(क) पावस का अर्थ है - **1**

(i) कोहरा (ii) शरद्
(iii) गरमी (iv) बरसात

(ख) वर्षा का देवता किसे बनाया गया है - **1**

(i) दुर्गा (ii) सूर्य
(iii) इंद्र (iv) हनुमान

(ग) प्रकृति अपना बेश बदल रही है – 1

(i) सुबह – शाम (ii) दोपहर

(iii) दिन में दो बार (iv) हर पल – हर क्षण

(घ) झरने किस का गौरव गा रहे हैं ? 1

(i) नदियों का (ii) पहाड़ों का

(iii) आकाश का (iv) वर्षा का

(ङ) इंद्र किस पर बैठ कर इंद्रजाल दिखा रहा है ? 1

(i) नाव (ii) गरूड़

(iii) जलद यान (iv) हंस

3. अपठित गद्यांश 5

बातचीत का भी एक विशेष प्रकार का आनंद होता है । जिनको इस आनंद को भोगने की आदत पड़ जाती है, वे इसके लिए अपना खाना पीना तक छोड़ देते हैं, अपना नुकसान कर बैठते हैं लेकिन बातचीत से प्राप्त आनंद को नहीं छोड़ते। जिनसे केवल पत्र व्यवहार है, कभी एक बार भी साक्षात्कार नहीं हुआ, उन्हें अपने प्रेमी से बात करने की अत्यधिक लालसा होती है। अपने मन के भावों को दूसरों के सम्मुख प्रकट करने की और दूसरों के अभिप्राय को स्वयं ग्रहण करने का एकमात्र साधन शब्द ही है।

बेन जानसन का यह कथन उचित प्रतीत होता है कि बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है। बातचीत की सीमा दो से लेकर वहाँ तक रखी जा सकती है जितनों की जमात, मीटिंग या सभा न समझ ली जाए।

एडिसन का मत है कि असल बातचीत सिर्फ दो में हो सकती है। जब दो से तीन हुए तब वह दो की बात कोसों दूर चले जाती है। चार से अधिक की बातचीत केवल राम रमौवल कहलाती है, इसलिए जब दो आदमी परस्पर बैठे बाते कर रहे हो, और तीसरा वहाँ आ जाए तो उसे मूर्ख और अज्ञानी समझते हैं। इस बातचीत के अनेक भेद हैं। दो बुड्ढों की बातचीत प्राय: जमाने की शिकायत पर हुआ करती है। नौजवानों की बातचीत का विषय जोश, उत्साह, नई उमंग, नया हौसला आदि होता है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए –

(क) बातचीत की आदत के कारण लोग कैसा व्यवहार करते हैं ? 1

(i) लोग खाना – पीना तक छोड़ देते हैं। (ii) बातचीत में पड़कर सब कुछ भूल जाते हैं।

(iii) अपना नुकसान कर बैठते हैं । (iv) लोग परेशानी में भी जी लेते हैं ।

(ख) असली बातचीत लेखक किसे कहता है ? 1

(i) जो तीन लोगों के बीच होती है । (ii) जो दो लोगों के बीच होती है ।

(iii) जो चार लोगों के बीच होती है । (iv) उपरोक्त किसी को नहीं ।

(ग) बूढे लोगों की बातचीत किस विषय पर होती है ? 1

(i) अपने बच्चों के बारे में (ii) दोस्तों के बारे में

(iii) परिवार के बारे में (iv) जमाने की शिकायत पर

(घ) चतुराई शब्द से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करें – 1

(i) चतुरा + ई (ii) चतुर + आई

(iii) चतुरा + आई (iv) चतुर + ई

(ङ) दो लोगों की बात के बीच में बात करने वाले को कहते हैं – 1

(i) ज्ञानी (ii) अज्ञानी

(iii) मूर्ख (iv) चतुर

4. अपठित गद्यांश 5

कुछ व्यक्ति सोचते हैं कि अब मानव सम्य और शिक्षित हो गया है, उस पर किसी भी प्रकार के नियमों का बंधन नहीं होना चाहिए। वह स्वतंत्र रूप से जो भी करे, उसे करने देना चाहिए। लेकिन यदि व्यक्ति को यह अधिकार दे दिया जाए तो चारों तरफ वन्य जीवन जैसी अव्यवस्था आ जाएगी। मानव, मानव ही है देवता नहीं। उसमें सुप्रवृतियाँ और कुप्रवृतियाँ दोनों ही होती हैं। मानव सभ्य तभी तक रहता है जब तक वह अपनी सुप्रवृतियों की आज्ञा के अनुसार कार्य करें। इसलिए मानव के पूर्ण विकास के लिए कुछ बंधनों और नियमों का होना आवश्यक है। अनुशासनबद्धता मानव – जीवन के मार्ग में बाधक नहीं अपितु उसको पूर्ण उन्नति तक पहुँचाने के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करती है। अनुशासन के बिना तो मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अत: हर मनुष्य का कर्तव्य है कि अनुशासन का उल्लंघन न करे। यह विचित्र होते हुए भी कितना सत्य है पंरतु मनुष्य को स्वच्छंद रूप से अपने अधिकारों का पूरा सदुपयोग करने का अवसर भी प्रदान करता है।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों को चुनकर लिखिए –

(i) मानव मानव ही है देवता नहीं – आशय है 1

(क) मानव में कुप्रवृतियाँ होती है । (ख) मानव में सद्प्रवृतियाँ नहीं होती ।

(ग) मानव महान नहीं है । (घ) मानव में कुप्रवृतियाँ और सद्प्रवृतियाँ दोनों हैं ।

(ii) उचित शीर्षक लिखे 1

(क) अनुशासन की आवश्यकता (ख) अनुशासन के लाभ

(ग) विद्यार्थी और अनुशासन (घ) अनुशासन का महत्व

(iii) सभ्य मानव के लिए अनुशासन अनिवार्य है क्योंकि 1

(क) मानव मूल रूप से अनुशासनहीन है (ख) मानव सदा अपनी मनमानी करता है

(ग) मानव में कुरीतियाँ भी होती हैं (घ) मानव में कुरीतियाँ अधिक हैं

(iv) अनुशासन मनुष्य को अपने अधिकारों का पूरा सदुपयोग करने का अवसर – 1

(क) नहीं देता (ख) देता है

(ग) भी देता है (घ) अवश्य देता है।

(v) 'अनुशासन' में कौन सा उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है ? 1

(क) अ (ख) अन्

(ग) अन (घ) अनु

5. (i) चंचल शब्द का सही वर्ण – विच्छेद है – 1

(क) च् + न् + च् + आ + ल् (ख) च् + अं + च् + अ + ल् + अ

(ग) च् + अ + न् + च् + ल् + अ (घ) च् + अ + न् + च् + अ + ल

(ii) हृदय शब्द का वर्ण विच्छेद है – 1

(क) ह् + ऋ + द् + अ + य् + अ (ख) ह् + र् + इ + द् + अ + य् + अ

(ग) ह् + रि + इ + द् + अ + य् + अ (घ) हृ + द् + अ + य् + अ

(iii) ब्राह्मण शब्द का वर्ण विच्छेद है – 1

(क) ब्रा + ह् + म् + अ + ण् + अ (ख) ब + प्र + ह् + म् + अ + ण् + अ

(ग) ब् + र् + आ + ह् + म् + अ + ण् + अ (घ) ब् + आ + ह् + अ + म् + ण् + अ

(iv) 'ऐष्वर्य' शब्द का सही रूप है – 1

(क) एश्वर्य (ख) ऐषवर्य

(ग) ऐश्वर्य (घ) एर्श्वय

6. (i) अशुद्ध अनुस्वार वाले शब्द को छाँटिए – 1

(क) छंद (ख) गंदा

(ग) सुंदर (घ) सशंय

(ii) सही नुक्ता वाला शब्द छाँटिए – 1

(क) तूफाऩ (ख) तूफ़ान

(ग) तूफान (घ) तूफान

(iii) बिनदेखा शब्द में उपसर्ग और मूल शब्द है – 1

(क) बि + नदेखा (ख) बिन + दखा

(ग) बिन + देखा (घ) बिन + देखा

(iv) परिवेश शब्द में प्रत्यय प्रयोग हुआ है 1

(क) पर् (ख) परम्

(ग) प (घ) परि

7. (i) अधजला में उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है 1

(क) अ (ख) अध

(ग) आधा (घ) अधज

(ii) 'चालक' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और प्रत्यय है 1

(क) चालक (ख) चा + लक

(ग) चाल + अक (घ) च + लक

(iii) मधु शब्द का विलोम शब्द चुने - 1

(क) नवनीत (ख) कड़वा

(ग) शहद (घ) मीठा

(iv) नीचे दिए गए विलोम शब्दो 'में' से सही विकल्प चुने - गुण 1

(क) सगुण (ख) निर्गुण

(ग) अगुण (घ) अवगुण

8. (i) सही पर्यायवाची शब्द दिए गए विकल्पों में से चुने : शत्रु - 1

(क) कटक (ख) रिपु

(ग) पीड़ित (घ) अनि

(ii) दिए गए विकल्पों में एक शब्द पर्यायवाची नहीं है - 1

(क) बाण (ख) शर

(ग) ध्वज (घ) तीर

(iii) कर शब्द का अनेकार्थक शब्द विकल्पों से चुनिए - 1

(क) किरण, हाथ (ख) कार्य किरण

(ग) टैक्स, कार्य (घ) समय सूंड

(iv) नीचे दिए गए विकल्पों में एक सही अनेकार्थी नहीं है, उसे चुनिए - पृष्ठ - 1

(क) पीठ (ख) पेज़

(ग) पीछे का भाग (घ) किताब

9. (i) जिसे किसी विषय की जानकारी नहीं – के लिए एक शब्द है 1

(क) अनभिज्ञ (ख) अनाग्र

(ग) अनविषय (घ) अनुग्रह

(ii) असाध्य शब्द का सही वाक्यांश होगा – 1

(क) जिसका कोई भाग जल गया हो (ख) जो साधना न करता हो

(ग) जिसका कोई इलाज न हो (घ) जो साधना करता हो

(iii) आटे दाल का भाव मालूम होना मुहावरे का अर्थ है – 1

(क) कष्ट का अनुभव होना (ख) घर में राशन लाना

(ग) वास्तविकता का अनुभव होना (घ) कंगाल होना

(iv) रिक्त स्थान की पूर्ति दिए गए मुहावरों में से सही विकल्प छाँट कर करें – 1

डाक्टर बनना ---------- है ।

(क) डूबते को तिनके का सहारा (ख) टेढ़ी खीर

(ग) नाकों चने चबाना (घ) जोड़ तोड़ करना

10. **किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से छाँट कर लिखिए –** 5

रहिमन निज संपत्ति बिना, कोउ न विपत्ति सहाय ।
बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सके बचाय ॥
रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून ।
पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष चून ॥

(i) जलहीन कमल को रक्षा सूर्य नहीं कर सकता क्योंकि 1

(क) जल ही जीवन है (ख) जल कमल की निजी सम्पत्ति है

(ग) सूर्य कमल को खिलाता है (घ) सूर्य कमल का मित्र नहीं

(ii) मुसीबत में व्यक्ति का कौन साथ देता है – 1

(क) मित्र (ख) पैसा

(ग) रिश्तेदार (घ) पड़ोसी

(iii) पानी सबके लिए – 1

(क) महत्वहीन है (ख) अच्छा है

(ग) महत्वपूर्ण है (घ) अवश्य रखना चाहिए

(iv) चून का अर्थ है – 1

(क) आटा (ख) चावल

(ग) ज्वार (घ) खेती

(v) रवि शब्द के दो पर्यायवाची है – 1

(क) दिनकर, रजनीचर (ख) राकेश, अरूण

(ग) भानू, शशि (घ) सूरज, सूर्य

अथवा

ऐसी लाल तुझ बिन कउनु करै ।
गरीब निवाजु गुसईया मेरा माथै छत्रु धरै॥
जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै ।
नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै ॥
नामदेव, कबीर तिलोचनु सधना सैनु तरै ।
कहि रविदास सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते समै सरै ॥

(i) जाकी छोति जगत कऊ लागे का अर्थ है – 1

(क) जिनके स्पर्श से लोग दूर रहते हैं ।

(ख) मिलकर साथ रहते हैं ।

(ग) दुनिया में उनका सम्मान करते हैं ।

(घ) जिनके संपर्क में लोग रहते हैं।

(ii) रहीम के अनुसार कौन कौन से वे लोग है जिसका उद्धार प्रभु ने किया है – 1

(क) नामदेव, रामदेव, पितामह (ख) नामदेव, कबीर, सधना

(ग) कबीर, रहीम, तुलसी (घ) सधना, तिलोचन, रैदास

(iii) ईश्वर समाज में किन्हें सम्मान दिलाते हैं – 1

(क) ऊँची जाति (ख) नीची जाति

(ग) अमीर लोगों को (घ) महान लोगों को

(iv) ईश्वर को कहते हैं – 1

(क) दूरदर्शी (ख) समीप्यदर्शी

(ग) दर्शनीय (घ) समदर्शी

(v) रैदास ने अपने प्रभु को इन नामों से पुकारा है – 1

(क) रविदास, गुसईया, नामदेव (ख) सधना, लाल, कृष्ण

(ग) गोबिंदु, कृष्ण, हरिजीउ (घ) हरि जीउ, गोबिंदु, लाल

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में दो – 5

(क) धूल पाठ की रचना का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(ख) लेखक स्त्री के रोने का कारण क्यों नहीं जान पाया ?

(ग) जय लेखिका को देख कर हक्का – बक्का क्यों रह गया ?

(घ) बुढ़िया के बेटे की मृत्यु का कारण क्या था ?

12. 'दुख का अधिकार' कहानी हमारे समाज में गरीब लोगों की मानसिक व आर्थिक स्थिति को उजागर करती है – स्पष्ट करें । 5

अथवा

लेखक के अनुसार धूल क्या है ? बालक धूलि भरे ही क्यों अच्छे लगते हैं ?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें – 5

हिमपात अपने आप में एक तरह से बर्फ़ के खंडों का अव्यवस्थित ढंग से गिरना ही था। हमें बताया गया है कि ग्लेशियर के बहने से अकसर बर्फ़ में हलचल हो जाती थी, जिससे बड़ी – बड़ी बर्फ़ की चट्टाने तत्काल गिर जाया करती थी और अन्य कारणों से भी अचानक प्राय: खतरनाक स्थिति धारण कर लेती थी। सीधे धरातल पर दरार पड़ने का विचार और इस दरार का गहरे – चौड़े हिम – विदर में बदल जाने का मात्र ख्याल ही बहुत डरावना था। इससे भी ज्यादा भयानक इस बात की जानकारी थी कि हमारे संपूर्ण प्रवास के दौरान हिमपात लगभग एक दर्जन आरोहियों और कुलियों को प्रतिदिन छूता रहेगा ।

(i) हिमपात क्या होता है ? 1

(ii) कौन सा ख्याल बहुत डरावना था ? 2

(iii) बचेंद्री पाल को उनके उपनेता ने क्या बताया ? 2

अथवा

हीरे के प्रेमी तो शायद उसे साफ – सुथरा खरादा हुआ, आँखों में चकाचौंध पैदा करता हुआ देखना पसंद करेंगे। परन्तु हीरे से भी कीमती जिस नयन – तारे का जिक्र इस पंक्ति में किया गया है, वह धूलि भरा ही अच्छा लगता है। जिसका बचपन गाँव के गलियारे की धूल में बीता हो वह इस धूल के बिना किसी शिशु की कल्पना ही नहीं कर सकता। फूल के ऊपर जो रेणु उसका शृंगार बनती है, वही धूल शिशु के मुँह पर उसकी सहज पार्थिवता को निखार देती है ।

(i) हीरे के प्रेमी उसे किस रूप में देखना पसन्द करते हैं ? 2

(ii) धूल की किस विशेषता का वर्णन गद्यांश में किया गया है ? 2

(iii) पाठ व लेखक का नाम लिखिए 1

14. (क) प्रेम का धागा एक बार टूटने पर पहले की भाँति क्यो नहीं हो पाता ? 2

(ख) रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों बताया है ? 2

(ग) हमें अपने निर्धन मित्रों को नहीं भूलना चाहिए इस भाव के लिए रहीम ने कौन सा उदाहरण दिया ? 1

15. टीलियामुरा कस्बे में लेखक का परिचय किन दो प्रमुख हस्तियों से हुआ ? समाज कल्याण के लिए उन्होंने क्या योगदान दिया ? 3

अथवा

साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने क्या - क्या युक्तियाँ अपनाई ?

16. गिल्लू किस अवस्था में लेखिका को कहाँ मिला ? 2

खंड - घ

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए । 5

(क) **भारत के गाँव**

- गाँवों का स्वरूप
- आज के गाँव व उनकी स्थिति
- गाँव में सुधार के प्रयास
- उपसंहार

(ख) **कमरतोड़ महँगाई**

- भूमिका
- महँगाई कहाँ - कहाँ
- महँगाई का कारण हड़ताल व तालाबंदी
- देश के धन का गलत उपयोग

(ग) **दहेज : एक समस्या**

- एक समस्या
- दहेज के दुष्परिणाम
- समाधान
- निष्कर्ष

18. आपके मित्र मोहन ने आपके लिए जन्मदिन का उपहार भेजा है, उसे धन्यवाद पत्र लिखिए । 5

अथवा

पिताजी को पत्र लिखकर अवगत कराएँ कि आप प्रथम सत्र की तैयारी किस प्रकार कर रहे हैं ।

- o 0 o -